उत्तराखण्ड शासन

आस्था, संस्कृति और आध्यात्मिक चेतना का विराट संगम

हरिद्वार कुम्भ 2027

14 जनवरी - 20 अप्रैल



“21वीं सदी के विकसित भारत के निर्माण के दो प्रमुख स्तंभ हैं। पहला, अपनी विरासत पर गर्व और दूसरा, विकास के लिए हर संभव प्रयास। आज उत्तराखण्ड इन दोनों ही स्तंभों को लगातार मजबूत कर रहा है। ये दशक उत्तराखण्ड का दशक है।”

नरेन्द्र मोदी
प्रधानमंत्री

“दिव्य एवं भव्य कुंभ के लिए हरिद्वार पूरी तरह से तैयार है। कुंभ निर्माण कार्यों और व्यवस्थाओं में श्रद्धालुओं का विशेष ध्यान रखा गया है। सरकार और मेला प्रशासन कुंभ के सफल आयोजन के लिए संकल्पित है। उत्तराखण्ड हमेशा से 'अतिथि देवो भवः' का संदेश देश और दुनिया तक पहुंचाता रहा है। राज्य अतिथियों का स्वागत करने के लिए तैयार है।”

पुष्कर सिंह धामी
मुख्यमंत्री, उत्तराखण्ड

मुख्य तिथियां और स्नान पर्व

14 जनवरी 2027 मकर संक्रांति	**06 फरवरी 2027** मौनी अमावस्या	**11 फरवरी 2027** बसंत पंचमी	**20 फरवरी 2027** माघ पूर्णिमा	**6 मार्च 2027** महाशिवरात्रि (अमृत स्नान)	**8 मार्च 2027** फाल्गुन अमावस्या (अमृत स्नान)

15 मार्च 2027 देव डोली (अमृत स्नान)	**7 अप्रैल 2027** नव संवत्सर	**14 अप्रैल 2027** मेष संक्रांति (प्रमुख अमृत स्नान)	**15 अप्रैल 2027** श्री रामनवमी	**20 अप्रैल 2027** चैत्र पूर्णिमा

नजदीकी रेलवे स्टेशन
हरिद्वार तथा ऋषिकेश

नजदीकी एयरपोर्ट
जौलीग्रांट

दर्शनीय स्थल:
हरकी पौड़ी, मनसा देवी मंदिर, चंडी देवी मंदिर, मायादेवी मन्दिर, दक्षेश्वर महादेव मंदिर कनखल, शांतिकुंज आश्रम, भारत माता मंदिर, पवनधाम, राजा जी राष्ट्रीय पार्क, लक्ष्मण झूला, रामझूला, जानकी सेतु, परमार्थ निकेतन, त्रिवेणी घाट, त्र्यंबकेश्वर महादेव मंदिर (13 मंजिल), शिवपुरी, नीरगढ़ जलप्रपात, नीलकंठ महादेव मंदिर



यात्री अपने यात्रा व्यय का 5% स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें: प्रधानमंत्री

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आत्मनिर्भर भारत के लक्ष्य को हासिल करने के लिए वोकल फॉर लोकल की बात कही है। स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा दिए जाने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा वन डिस्ट्रिक्ट वन प्रोडक्ट की शुरुआत की गई। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखण्ड सरकार ने इस योजना को वन डिस्ट्रिक्ट टू प्रोडक्ट के रूप में आगे बढ़ाया है। बदरीनाथ धाम के निकट माणा में आयोजित कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देशवासियों से अपील की थी कि कहीं भी घूमने जाएं तो अपने यात्रा व्यय का 5 प्रतिशत स्थानीय उत्पादों पर खर्च करें। इससे स्थानीय आर्थिकी में जबरदस्त परिवर्तन देखने को मिलेगा। किसी भी क्षेत्र की पहचान उनकी भाषा-बोली एवं स्थानीय उत्पादों से होती है, इनको बढ़ावा देने के लिए हर संभव प्रयास किए जाने चाहिए।

अधिक जानकारी के लिए लॉगिन करें
https://haridwarkumbh.uk.gov.in/
अथवा कोड स्कैन करें।

हेल्पलाइन नं.: आपातकालीन सेवा-112 । स्वास्थ्य सेवा-108 । चाइल्ड हेल्पलाइन-1098 । महिला हेल्पलाइन-181

आपकी यात्रा मंगलमय हो।

सूचना एवं लोक सम्पर्क विभाग, उत्तराखण्ड द्वारा जनहित में जारी
www.uttarainformation.gov.in | DIPR_UK | UttarakhandDIPR | UttarakhandDIPR